



SHRI SHAH RASHEED AHMED QUADRI

Shri Shah Rasheed Ahmed Quadri is the senior most Master Craftsman engaged in the field of Bidri Ware Handicrafts which is world famous ancient craft. He is widely recognized for his role in Bidri Ware Handicraft, as he has represented the said craft on various occasions which includes national and international levels and bring of beauty of Bidri Ware Handicrafts across the various countries.

2. Born on 5th June, 1955, Shri Quadri hailing from respectable well known family engaged with Bidri Craft since their forefather period, and studied upto 12th PUC. Engaged in the traditional art of Bidri Handicraft, he achieved many goals by inventing many new Bidri Ware articles.

3. Shri Quadri has starting working in hereditary family craft of Bidri Ware Handicraft since childhood and after his involvement in this craft, has got lots of encouragement and started discovering new patterns, designs and articles for the improvement and development of this ancient old craft. During the year 1986, he founded M/s. Novel Bidri Craft at Bidar (Karnataka State) and undertook various tasks which include inventing new articles, designs, etc. and thereafter also provided training to the beneficiaries, so that the Bidri handicraft industry shall get many more craftsmen and craftswomen and an initiative towards development of craft also.

4. Shri Quadri has discovered many new patterns, designs and articles which was liked and appreciated not only in national level but globally also. He is a senior most Master Craftsman who had started journey from his childhood and achieved a good name not only in Bidar but also in international level. He has participated in many programme, exhibitions, crafts mela, Handicraft Expos, and many more to the list and visited for live demonstration at Boston (USA), Rome (Italy), Singapore, Netherland (Holland), Barcelona (Spain), Kingdom of Bahrain, Muscat (Sultanate of Oman), Chicago (USA), Geneva (Switzerland), Kunming (China).

5. Shri Quadri is the recipient of numerous awards and honours. He has been awarded with the Karnataka State Award in 1984 by the Government of Karnataka; National Award in 1988 by the Government of India; District Rajya Utsav Award in 1996 by the District Administration; Great Indian Achievers Award in 2004 by the Former Minister of Delhi; Karnataka Rajya Utsav Award in 2006 by the Government of Karnataka; Shilp Guru Award in 2012 by the Government of India and Kalanidhi Award in 2016. He got the honour to participate on Karnataka Tableau in Republic Day at Rajpath, New Delhi on 26th January 2011 and awarded 2nd Prize to Karnataka for Karnataka Bidri Ware Tableau sponsored & organized by Karnataka Information Centre, Bangalore.



श्री शाह रशीद अहमद खाद्री

श्री शाह रशीद अहमद खाद्री विश्व प्रसिद्ध प्राचीन बीदरी बर्तन हस्तशिल्प के सबसे वरिष्ठ शिल्प गुरु हैं। उन्हें बीदरी बर्तन हस्तशिल्प में उनके योगदान के लिए भरपूर ख्याति प्राप्त है, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न आयोजनों में इस शिल्प का प्रदर्शन किया है और विभिन्न देशों में बीदरी बर्तन हस्तशिल्प की सुंदरता से लोगों को परिचित कराया है।

2. 5 जून, 1955 में जन्मे, श्री खाद्री अपने पूर्वजों के समय से ही एक सम्मानित और प्रसिद्ध बीदरी शिल्पकार परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने बारहवीं पीयूसी तक पढ़ाई की है। बीदरी हस्तशिल्प की पारंपरिक कला में काम करते हुए, उन्होंने बीदरी बर्तन शिल्पकारी के नए मानदंड स्थापित किए।

3. श्री खाद्री बचपन से ही पारिवारिक बीदरी बर्तन हस्तशिल्प के कार्य में लग गए और उन्हें बहुत प्रोत्साहन मिला। वह इस प्राचीन शिल्प के सुधार और विकास के लिए नए पैटर्न, डिजाइन और सामान की खोज करने लगे। वर्ष 1986 में, उन्होंने बीदर (कर्नाटक राज्य) में मैसर्स नोवेल बीदरी क्राफ्ट की स्थापना की और विभिन्न उपलब्धियां हासिल की जिनमें नए बर्तन, डिजाइन आदि का आविष्कार शामिल है। उन्होंने शिल्पकारों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया, ताकि बीदरी हस्तशिल्प उद्योग में अधिक-से-अधिक शिल्पकार तैयार हो सकें और शिल्प का भी विकास हो।

4. श्री खाद्री ने कई नए पैटर्न, डिजाइन और बर्तन तैयार किए हैं जिन्हें न केवल राष्ट्रीय बल्कि विश्व स्तर पर भी पसंद किया गया और सराहा गया। वह सबसे वरिष्ठ शिल्पकार हैं, जिन्होंने बचपन से ही अपनी शिल्पयात्रा शुरू कर दी थी और बीदर के साथ-साथ विदेश में भी नाम कमाया। उन्होंने बोस्टन (यूएसए), रोम (इटली), सिंगापुर, नीदरलैंड (हॉलैंड), बार्सिलोना (स्पेन), बहरीन किंगडम, मस्कट (ओमान सल्तनत), शिकागो (यूएसए), जिनेवा (स्विट्जरलैंड), कुनमिंग (चीन) में कई कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, शिल्प मेलों, हस्तशिल्प प्रदर्शनियों आदि में भाग लिया और लाइव प्रदर्शन किए हैं।

5. श्री खाद्री को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें 1984 में कर्नाटक सरकार द्वारा कर्नाटक राज्य पुरस्कार; 1988 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार; 1996 में जिला प्रशासन द्वारा जिला राज्य उत्सव पुरस्कार; 2004 में दिल्ली के पूर्व मंत्री द्वारा ग्रेट इंडियन अचीवर्स अवार्ड; 2006 में कर्नाटक सरकार द्वारा कर्नाटक राज्य उत्सव पुरस्कार; 2012 में भारत सरकार द्वारा शिल्प गुरु पुरस्कार और 2016 में कलानिधि पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उन्हें 26 जनवरी 2011 को नई दिल्ली में, गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राजपथ पर कर्नाटक की झांकी में भाग लेने का सम्मान मिला और कर्नाटक सूचना केंद्र, बंगलोर द्वारा प्रायोजित एवं आयोजित कर्नाटक बीदरी वेयर की झांकी के लिए कर्नाटक को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।